20 प्रतिशत गिर सकता है चीनी उत्पादन

दिलीप कुमार झा
मुंबई, 19 मई

सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद महाराष्ट्र में 2019-20 के पेराई सीजन (अक्टूबर-सितंबर) के दौरान चीनी उत्पादन में 15-20 प्रतिशत तक की गिरावट आने की आशंका है। मौजूदा बुआई सीजन के दौरान रकबे में कमी की वजह से ऐसा हो सकता है।

देश के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में 2018-19 के सीजन (अक्टूबर-सितंबर) के दौरान चीनी उत्पादन 1.007 करोड़ टन दर्ज किया गया था जो राज्य में इसका रिकॉर्ड सर्वाधिक उत्पादन स्तर रहा। लेकिन 2018 में मॉनसूनी बारिश कम होने की वजह से राज्य में विकट सूखा पड़ा। राज्य में न केवल मनुष्यों को, बल्कि जानवरों को भी अपना वजूद बचाने के लिए पानी और भोजन की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए राज्य के कई सूखा प्रभावित क्षेत्रों में किसानों ने गन्ने के पौधों को उखाड़ना शुरू कर दिया है ताकि अपने जानवरों को बचाने के लिए चारा दिया जा सके। इससे गन्ने की खेती को नुकसान होने की आशंका है। इसके अलावा राज्य में लू की वजह से गन्ने की पौध को नुकसान पहुंचने की भी सूचना है। साथ ही किसानों ने अपनी कृषि आमदनी बढ़ाने के लिए सोयाबीन और दलहन जैसी अन्य फसलों की ओर रुख करने का भी फैसला किया है। इन सब कारणों से अगले चीनी सीजन यानी अक्टूबर 2019-सितंबर 2020 के दौरान गन्ने के कुल रकबे में 10-15 प्रतिशत तक की गिरावट आने वाली है।

- **मौजूदा सीजन के दौरान रकबे में कमी के कारण आ सकती है यह गिरावट**
- **2018 में मॉनसूनी बारिश कम होने की वजह से राज्य में पड़ा विकट सूखा**

Business Standard
2015/2019